ture *on* large scale. Copies will also be placed on the Table of the Sabha in due course.

Some of these implements are already being manufactured by private firms as well as Government workshops at Lucknow, Jaipur, Nahan, Nagpur and Tiruchirapalli.]

संकरी मेरिनो भेड़

२१६. **श्री नवाबसिंह चौहान :** क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) हिमालय क्षेत्र में जो बढ़िया ऊन वाली नस्ल की संकरी मेरिनो भेड़ विकसित की गई है, वह किन किन नस्लों के संकरण से की गई है और क्या यह नस्ल भेड़-उत्पादकों को उपलब्ध की जा सकती है ; और

(ख) मिलाई गई दोनों नस्लों के मुकाबले में यह भेड़ ऊन की मुलायमियत और तोल की दृष्टि से कैसी है ?

t [Cross-bred Merino Sheep

216. Shri NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of Food and Agriculture be pleased to state:

(a) which are the breeds by whose cross-breeding the cross-bred Merino sheep of the toe woolled strain has been evolved in the Himalayan region and whether this strain can be made available to the sheep breeders; and

(b) how this sheep compares with each of the the two cross-bred strains so far as softness and weight of the wool is concerned?]

खाद्य तथा कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) : (क) हिमालय क्षेत्र में नई संतति के विकास के लिए स्थानीय भेड़ों के संकर प्रजनन के वास्ते मेरिनो, रेमबोइल्लट और पालरैथ नस्लों की भेड़ों को प्रयोग में लाया जा रहा है । काश्मीर मेरिनो की नई सन्तति विकसित की जा चुकी है । उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और जम्मू व काश्मीर राज्यों में स्थापित भेड़ प्रजनन फार्मों में ऊपर लिखी अन्य नस्लों से प्रयोगात्मक प्रजनन का कार्य प्रगति कर रहा है । भेड़ पालकों को फार्मों से संकर नस्ल के मेढ़े उपलब्ध कराये जा रहे हैं ।

(ख) स्थानीय उत्पादित ऊन एक मिश्रित रेशे वाली होती है जिसमें मोटे और बारीक रेशे होते हैं । जहां तक कुल बारीक रेशों की मात्रा का सम्बन्ध है संकर नस्ल की ऊन बढ़िया होती है और वह छूने में मुलायम होती है । स्थानीय भेड़ की ऊन वजन में १.५ पौंड होती है, जबकि संकर नस्ल के ऊन वाले बाल वजन में ३.५ से ४.०० पौंड प्रति वर्ष होते हैं ।

UThe MINISTR of STATE in the MINISTRY of FOOD and AGRICULTURE (Dr. Ram Subhag Singh): (a) Rams of the Merino, Ram-bouillet and Polwarth breeds are being used for crossbreeding the local sheep to evolve new strain in the Himalayan region. A new strain of Kashmir Merino has been evolved. The work of experimental breedings from other breeds mentioned above is in progress at the sheep breeding farms established in the State of Uttar Pradesh, Himachal Pradesh and Jammu and Kashmir. Cross-bred rams from the farms are being made available to the sheep breeders.

(b) The wool produced locally is of a mixed fibre composition containing coarse and fine fibres. The crossbred wools are superior as regards the total content of fine fibres and are softer to the feel. The local sheep

t[ ] English translation.

yield is 1'5 lbs. of wool, while the *fleeces* of the cross-bred sheep weigh 3-5 to 4"0 lbs. per year.]

सघन कृषि जिला कार्यक्रम

२१७. **श्री नवाबसिंह चौहान** : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री १९६१-६२ के लिये खाद्य तथा कृषि मंत्रालय (कृषि विभाग) के प्रतिवेदन के पृष्ठ १९ को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सघन कृषि जिला कार्यक्रम के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश के जिला अलीगढ़ में अब तक कुल कितने फार्म प्लान तैयार किये जा चुके हैं और कृषि फार्मों पर मिले जुले प्रकार के कितने वैज्ञानिक प्रदर्शन किये जा चुके हैं

(ख) अब तक इस जिले का कितना क्षेत्र इस कार्यक्रम के अन्तर्गत आ गया है और कितना शेष है और यह शेष क्षेत्र कब तक इस कार्यक्रम के अन्तर्गत आ जायेगा ; और

(ग) अब तक उत्पादन में कितनी वृद्धि हुई है और किसानों को खाद, बीज, नकदी और अन्य प्रकार की कितनी सहायता दी जा चुकी है ?

INTENSIVE AGRICULTURAL DISTT. PROGRAMME

217. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to refer to the Report of the Ministry of Food and Agriculture (Department of Agriculture) for 1961-62 at p. 19 and state:

(a) the total number of Farm Plans prepared so far in the District of Aligarh in Uttar Pradesh under the Intensive Agricultural District Programme and the number of scientific demonstrations of a composite type which have been made on the agricultural farms;

(b) the area Of land in the district which has been brought under this programme so far and the area of land which remains to be brought under the programme and the time by when the remaining area is likely to come under the programme; and

(c) how much increase in production has taken place up till now and how much assistance has been given to peasants in the form of fertilizers seeds, cash and in Other forms?]

t[ ] English translation.

खाद्य तथा कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) : (क) १९६१-६२ में उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले में सघन कृषि जिला कार्यक्रम के अन्तर्गत कुल ९,२०५ फार्म योजनायें बनाई गईं ।

इस दौरान में मिश्रित ढंग के १,७५० वैज्ञानिक प्रदर्शन किये गये, जिनमें से ४०८ खरीफ और १,३४२ रबी के मौसम में किये गये थे ।

(ख) १९६१-६२ में कार्यक्रम के अन्तर्गत लगभग ०.९० लाख एकड़ कृष्ट भूमि में कार्य हुआ । अभी इस कार्यक्रम के अन्तर्गत लगभग ६.०० लाख एकड़ का क्षेत्र लाना बाकी है । आशा है कि १९६५-६६ तक कार्यक्रम के अन्तर्गत पूर्ण क्षेत्र आ जायेगा ।

(ग) कार्यक्रम के कार्यान्वित करने के परिणामस्वरूप कृषि उत्पादन में कितनी बढ़ोतरी होगी, यह निर्णय करना अभी कठिन है । कुछ समय के बाद ही इसका वैज्ञानिक ढंग से निर्धारण किया जा सकता है । फिर भी यह देखा गया कि १९६१-६२ में प्रमुख खरीफ फसलों अर्थात् मक्का, बाजरा और अरहर का उत्पादन दर कार्यक्रम के क्षेत्रों में जिले से बाहर